

विधान सभा प्रश्न

विभाग का नाम	:	लोक निर्माण विभाग
प्रश्न संख्या अतारांकित	:	2139
उत्तर की तिथि	:	14.03.2022
विषय	:	कुणा-मंडोचली मार्ग ।
प्रश्नकर्ता का नाम	:	श्री रमेश चन्द धवाला (ज्वालामुखी)
सम्बन्धित मन्त्री	:	मुख्य मन्त्री

प्रश्न	उत्तर
<p>क्या मुख्य मंत्री बतलाने की कृपा करेंगे कि:-</p> <p>क) चौपाल लोक निर्माण मण्डल के अन्तर्गत कुणा-मंडोचली मार्ग की कितनी लम्बाई है तथा कितने किलोमीटर मार्ग को चौड़ा किया जा रहा है; और</p> <p>ख) इस मार्ग की चौड़ाई हेतु कब-कब और कितनी धनराशि स्वीकृत की गई; कार्य की अद्यतन स्थिति ब्यौरा दें?</p>	<p>(क) व (ख) सूचना संलग्न है ।</p>

अतारांकित विधान सभा प्रश्न संख्या 2139 जोकि श्री रमेश चन्द धवाला (ज्वालामुखी)द्वारा पूछा गया है, से सम्बन्धित सूचना:-

क) चौपाल लोक निर्माण मण्डल के अन्तर्गत सड़क कुणा-मंडोचली का वास्तविक नाम कुठार से मंडोचली सड़क है। इस सड़क की कुल लम्बाई 9.000 कि०मी० है। इस सड़क की प्रशासनिक अनुमोदन एवं व्यय स्वीकृति दिनांक 03-03-1997 के तहत MNP योजना में मु० 48.50 लाख रू० की प्रदान की गई एवं कच्ची सड़क, पुलियों और नालियों का निर्माण कार्य वर्ष 2002 में किया गया तथा इस पर मु० 48.00 लाख रूपये का खर्चा किया गया। इस सड़क की चौड़ाई 4.50 से 5.00 मीटर है। इस सड़क को बस चलने के लिए 12-11-2002 में पास किया गया और इस सड़क पर सुचारु रूप से वाहन चल रहे हैं। फिलहाल इस सड़क का चौड़ा करने की कोई योजना नहीं है।

ख) इस मार्ग की चौड़ाई हेतु किसी भी योजना में कोई भी धनराशि स्वीकृत नहीं की गई लेकिन इस सड़क को द्वितीय चरण में उन्नयन हेतु विधायक प्राथमिकता के तहत वर्ष 2017-18 में कुठार से मंडोचली सड़क किलोमीटर 0/0 से 9/700 तक माननीय विधायक द्वारा प्रस्तावित किया गया है तथा इस कार्य की मु० 708.77 लाख की विस्तृत कार्य परियोजना बना दी गई है जोकि योजना विभाग को दिनांक 22/06/2021 को स्वीकृति हेतु भेजी गई थी। परियोजना को योजना विभाग द्वारा दिनांक 10-01-2022 द्वारा इस टिप्पणी के साथ वापिस किया गया है कि माननीय विधायक चौपाल की NABARD से ऋण की जो सीमा मु० 135.00 करोड रूपये सरकार द्वारा तय की गई थी इसमें से मु० 134.28 करोड रूपये की परियोजनाएं स्वीकृत हो चुकी हैं और शेष राशि मु० 0.72 करोड रूपये बची हुई है। अतः माननीय विधायक की NABARD से ऋण की सीमा में बढ़ोतरी उपलब्ध होने पर विस्तृत कार्य परियोजना को पुनः योजना विभाग के माध्यम से NABARD को स्वीकृति हेतु भेजा जायेगा।